## **Landesbibliothek Oldenburg**

### **Digitalisierung von Drucken**

# Großherzogliches Theater Oldenburg Großherzogliches Theater < Oldenburg Oldenburg, 1854

27.04.1918 - Wilhelm Meyer-Förster: Alt-Heidelberg.

urn:nbn:de:gbv:45:1-6867

# Großherzogl.



Theater.

Oldenburg.



Sonnabend, den 27. April 1918.

Freiplätze haben keine Gültigkeit.

# Allt-Heidelberg.

Schaufpiel in 5 Aufzügen von Wilhelm Meyer-Förfter.

Leiter der Aufführung: Walter Doerry.

#### Perfonen:

| Rarl Heinrich, Erbpring von Sachsen-Rarlsburg   |      |   |   |   |   |   |    |     |     | Curt Lucas.          |
|---|------|---|---|---|---|---|----|-----|-----|----------------------|
| Staatsminifter bon Saugt, Erzelleng             |      |   |   |   |   |   |    |     |     | Ludwig Lindikoff.    |
| Sofmarichall Freiherr von Baffarge, Erzellens . |      |   |   |   |   |   |    |     |     | molf Saiverg.        |
| Kammerherr von Breitenberg                      |      |   |   |   |   |   |    |     |     | Walter Doerry.       |
| Kammerherr Baron von Meting                     |      |   |   |   |   |   |    |     |     | Josef Bungt.         |
| Dr. phil. Jüttner                               |      |   |   | 3 |   |   |    |     | 0   | Beinrich Defterhelb. |
| Lut, Kammerdiener                               | 10 3 |   |   |   |   |   |    | 3   | 0   | Felix Kroll.         |
| (thunk was Officerbaya )                        |      |   |   |   |   | - |    | 200 | 7.0 | war Sumaa.           |
| Graf von Afterberg,                             |      |   | • |   | • |   |    |     |     | Ernft Babetow.       |
| Karl Bilz,<br>Kurt Engelbrecht,<br>Winz,        |      |   | • |   |   |   |    |     |     | Sofef Bungl.         |
| Murt Engelotegi,                                |      |   |   | • |   | • |    |     |     | Gomin Mirgensen.     |
| von Wedell, Saxo Boruffiae                      |      |   | • | • | • |   |    |     |     | Mrich Bettac.        |
| Rüber, Gaftwirt                                 |      |   | • | • |   | • |    |     |     | Muonit Seinrich.     |
| Rüder, Gastwirt                                 |      | • |   | • |   | • | 16 |     |     | Mnna Röhecker        |
| Frau Müber                                      |      |   | * | • |   |   | •  |     |     | Betty Klinder.       |
| Frau Dörffel, beren Tante                       |      | • | • | • | * |   |    | •   |     |                      |
| Rellermann                                      | 3 3  | • |   | * |   | • |    | •   |     | Eva Benndorf.        |
| Rathie  |      | • |   |   |   |   |    |     |     |                      |
| Schölermann,                                    |      |   |   |   |   |   |    |     |     | (Samin Virganian     |
| Glanz, Lafaien                                  |      |   |   |   |   |   |    |     |     | Officet Cinnert      |
| Reuter.   | 1    |   |   |   |   |   |    |     |     | attoett Sithert.     |

Mitglieder des Heidelberger Corps Sago-Borussia, Savonia, Rhenania, Suevia. — Kammerherren, Musikanten. Bwischen dem 2. und 3. Aufzuge ist ein Zeitraum von vier Monaten, zwischen dem 3. und 4. Aufzuge von zwei Jahren.

#### Nach dem 3. Aufzuge findet eine längere Baufe ftatt.

#### 

# Kaffenöffnung 7 Uhr. Anfang 71 Uhr. Ende nach 10 Uhr.

## Tagesverkauf von 12 bis 1 Uhr mittags.

Sonntag, den 28. April 1918. Freiplätze haben keine Gültigkeit. Zum Besten der Wohlsahrtskasse für deutsche Bühnenmitglieder. Alt Heidelberg. Anfang 7 Uhr.

Vorverkauf mit 20 & Aufschlag an Wochentagen nur vormittags von 10 bis 1 Uhr. Schriftliche ober mündliche Borbeftellung eines Plates unterliegt einer Vormerkgebühr von 50 4; erstere ist zur Vermeidung von Nachteilen nur an die Großherzogliche Theaterkasse zu richten.

Shulzeiche hofbuchbruderei. Olbenburg.